शुष्क वन अनुसंधान संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्,
पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था)
ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE
(Indian Council of Forestry Research & Education,
An Autonomous Body of the Ministry of Environment & Forests, Govt. of India)
PO Krishi Upaj Mandi, New Pali Road, Jodhpur-342005(Rajasthan)

दिनांक: **22.05.2013**

आफरी में विश्व जैव विविधता दिवस पर कार्यक्रम

हमारे वनों की वार्षिक उत्पादकता बहुत ही कम है जिसे उच्च गुणवत्ता के पौधे तैयार कर तथा उनका उचित प्रबन्धन कर कई गुणा तक बढ़या जा सकता है । उपलब्ध ऑकड़ों के अनुसार विश्व में 321, 212 पादप प्रजातियॉ तथा 1,367,55 जन्तु प्रजातियॉ हैं तथा अनेक प्रजातियों का विवरण ज्ञात नहीं है । इसी प्रकार भारत का मरू क्षेत्र भी जैव विविधता से परिपूर्ण है । मरू क्षेत्र में जैव विविधता एवं जल संरक्षण दोनों ही जीवन के लिये अत्यन्त आवश्यक है । ऐसे में हम सभी का दायित्व हैं कि हम क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ जल संरक्षण में सहयोग दें । यह उद्‌गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी के निदेशक डॉ. त्रिलोक सिंह राठौड़ ने विश्व जैव विविधता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्‌बोधन में व्यक्त किये । डॉ. राठौड़ ने मरू क्षेत्र में पाये जाने वाले विभिन्न पादपों एवं जन्तुओं का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया । उन्होंने कार्बन स्थिरीकरण तथा जलवायु परिवर्तन आदि पर भी चर्चा करते हुए भविष्य के लिये जागरूक होने का आह्‌वान किया । डॉ. राठौड़ ने भारत के पूर्वी तथा अन्य क्षेत्रों में पाये जाने वाले पादपों के बारे में भी जानकारी दी । इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ.डी.के.मिश्रा ने जैव विविधता दिवस तथा उसकी उपयोगिता पर विचार प्रस्तुत किये । कार्यक्रम के दूसरे प्रमुख वक्ता वन पारिस्थितिकी प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री एन.बाला ने अपने उद्‌बोधन में जैव विविधता एवं जल संरक्षण दोनों परस्पर एक दूसरे से संबंधित है । वर्तमान युग में मानवीय हस्तक्षेप एवं जलवायु परिवर्तन के कारण जैव विविधता एवं जल दोनों हेतु संकट उत्पन्न हो गया है । श्री बाला ने इन्दिरा गॉधी नहर परियोजना से क्षेत्र में आये जैव विविधता के बदलाव को विस्तृत रूप में समझाया । कार्यक्रम के अन्य वक्ता आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.आई.अहमद एवं डॉ. रंजना आर्या ने मरू

क्षेत्र की जैव विविधता पर अपने विचार प्रस्तुत किये । कार्यक्रम का संचालन डॉ. एन.के.बोहरा ने किया ।

विश्व जैव विविधता दिवस पर आफरी परिवार के बच्चों हेतु दो समूह में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसका विषय जल एवं जैव विविधता था । इस प्रतियोगिता में 12 वर्ष की आयु के बच्चों में तनुश्री शर्मा प्रथम, गर्वती चौहान द्वितीय, प्रणय शर्मा तृतीय तथा आयुषी शर्मा चतुर्थ स्थान पर रही । इसके अतिरिक्त द्विव्य प्रताप, अंजली दाधिच, पुचित, तन्य शर्मा, यजत गुप्ता एवं नव्या शर्मा को सांतवना पुरस्कार दिया गया । इसी प्रकार 15 वर्ष की आयु के बच्चों में हरीश विश्नोई प्रथम, साक्षी शर्मा द्वितीय एवं सुमन विश्नोई तृतीय तथा दिव्याश चौहान को चतुर्थ पुरस्कार से सम्मानित किया गया । इसके अतिरिक्त सुनील चौधरी, प्रतिभा लौहरा तथा ममता चौधरी को सांतवना पुरस्कार से सम्मानित किया गया । सभी को आफरी निदेशक डॉ. टी.एस. राठौड़ ने पुरस्कार प्रदान किये । जैव विविधता दिवस पर आफरी के विस्तार एवं निर्वचन परिसर में नीम, सप्तपर्णी, केसिया सामिया तथा अमलतास के पौधे आफरी के आधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा रोपे गयें ।

(डॉ. नवीन कुमार बौहरा)
जन सम्पर्क अधिकारी,
आफरी, जोधपुर